Global Alliance for
Disaster Risk Reduction & Resilience
in the Education Sector

# बाल केंद्रित जोख़िम न्यूनीकरण शोध–से–संकल्प संक्षेप:

# समुदाय आधारित आपदा जोख़िम प्रबंधन (CBDRM)

*रेबेका योरे,[1] इलान कलमर्न[2] और मेटालेना टोफा[3]*

*[1] यूनिवर्सिटी कॉलेज लंदन और रेस्क्यू ग्लोबल यू के*

*[2] यूनिवर्सिटी कॉलेज लंदन और एंडर यूनिवर्सिटी यू के*

*[3] मैकग्वायर यूनिवर्सिटी आस्ट्रेलिया*

## *उद्देश्य कथन*

शोध–से–संकल्प श्रृंखला बाल केंद्रित जोखिम न्यूननीकरण (सीसीआरआर–CCRR.), जलवायु परिवर्तन अनुकूलन (सीसीए–CCA.) और स्कूल सुरक्षा के क्षेत्र में कार्यरत लोगों के लिए बहुत सारे विषयों पर अकादमिक और अन्य साहित्य का सार संक्षेप उपलब्ध कराता है। इस सार संक्षेप का उद्देश्य, त्रासदी जोखिम न्यूनन में बच्चों को शामिल करने के क्षेत्र में कार्य करने वाले लोगों के लिए शोध परिणामों की संक्षिप्त समीक्षा उपलब्ध कराना है।

शोध– से–संकल्प संक्षेप की संपूर्ण श्रृंखला यहां उपलब्ध है:

www.gadrrres.net/resources

सी एंड ए फाउंडेशन और सी एंड ए के सहयोग से सेव द चिल्ड्रेन और रिस्क फ्रंटियर्स द्वारा प्रस्तुत

## सार

शोध से पता चलता है कि स्थानीयकृत, नीचे से ऊपर आपदा जोखिम प्रबंधन (डीआरएम) समुदायों को उचित लचीलापन तंत्र अपनाने में सक्षम बनाता है। यह केवल तभी प्रभावी हो सकता है जब सीबीडीआरएम(CBDRM) कमजोरियों और जटिलताओं की समझ, और इसके घटकों के कारण होनेवाले जोखिम पर आधारित हो। हम यह भी देखते हैं कि सीबीडीआरएम CBDRM)में युवा लोगों की भागीदारी को प्रोत्साहित करने के बारे में मौजूदा विचार इस मान्यता से उत्पन्न हुआ है कि यह युवाओं की कमजोरी को प्रकट कर सकती है जो शक्ति का स्रोत हो भी सकती है और यह पूरी आबादी पर सामाजिक, आर्थिक और संस्थागत रूप से सकारात्मक प्रभाव डालने में सक्षम है। मामला अध्ययन विश्लेषण से पता चलता है कि सीबीडीआरएम CBDRM) में सरकारों से विश्वसनीय, दीर्घकालिक समर्थन हासिल करना एक महत्वपूर्ण चुनौती है, क्योंकि सीबीडीआरएम CBDRM) राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय नीति दोनों की प्राथमिकता है और समुदाय स्तर पर सीबीडीआरएम CBDRM) प्रभावशाली ढंग से कार्य करता है । विश्लेषण से यह भी पता चलता है कि आगे काम करने के लिए अभी भी यह सुनिश्चित करने की आवश्यकता है कि हाशिये पर गुज़र बसर करने वालों और गंभीर रूप से कमजोर समुदायों को प्राथमिकता दी जाए।

### शब्दावलि

| शब्द | परिभाषा |
|---|---|
| बच्चे | 0 से 18 वर्ष की आयु के व्यक्ति |
| युवा | 18 से 24 वर्ष की आयु के व्यक्ति |
| सीबीडीआरएम | एक प्रक्रिया जिसका नेतृत्व, संगठन और स्वामित्व स्थानीय लोगों के हाथ में होता है जिसमें आपदा जोखिम प्रबंधन का विश्लेषण और क्रियान्वयन किया जाता है |
| बाल केंद्रित आपदा जोखिम न्यूनीकरण(CCDRR) | ऐसी गतिविधियां जो बच्चों की आवश्यकताओं को पहले रखती हैं और बच्चों को आपदा जोखिम न्यूनीकरण(DRR) गतिविधियों में शामिल करती हैं |
| एचवीसीए | खतरे, कमज़ोरियां और क्षमता मूल्यांकन |
| टूलकिट | कई उपकरणों का एक पैकेज जो विभिन्न प्रकार के डेटा एकत्र करता है जिसका उपयोग व्यापक या एकीकृत एचवीसीए ( HVCA) मूल्यांकन (और आदर्श रूप से नियोजन) के लिए किया जा सकता है |
| ढांचा | वर्तमान मुद्दों और अवधारणाओं की समझ के आधार पर अनुसंधान और प्रयासों के लिए मार्गदर्शन |

# परिचय

सरकार और गैर सरकारी संगठनों के नेतृत्व में, ऊपर–से–नीचे का दृष्टिकोण आमतौर पर आपदाओं को अलग–थलग घटनाओं के रूप में मान कर चलता है और बाहरी विशेषज्ञों और महंगे या दुर्गम संसाधनों से आकर्षित होता हैं। इससे स्थानीय ज्ञान कमजोर हो सकता है। हालांकि, सीबीडीआरएम (CBDRM) इससे बच सकता है, क्योंकि यह डीआरएम(DRM) के विश्लेषण और लागू करने का एक तरीका है, जो स्थानीय समुदायों द्वारा आयोजित किया जाता है। सीबीडीआरएम (CBDRM) के इस उदय ने आपदाओं को एक–दूसरे के साथ और सामाजिक आर्थिक चुनौतियों के साथ निर्बाध रूप से देखने की दिशा में एक बदलाव के रूप में योगदान दिया है, और पूर्व–खाली कार्यों पर विचार करने के लिए जो कमजोरियों के मूल कारणों को संबोधित करते हैं (क्यूनी, 1983; लेविस, 1999; वाइजनर और अन्य 2004)। सीबीडीआरएम (CBDRM) में खतरे, कमजोरियां और क्षमता का मूल्यांकन एक महत्वपूर्ण प्रक्रिया है। यह दृष्टिकोण एक समुदाय के सभी संभावित खतरों और कमजोरियों पर विचार करता है और उन्हें संबोधित करने के तरीके सुझाता है।

आपदां और आपदा जोखिम की जब बात आती है तो बच्चे कमज़ोरियों और क्षमताओं के हिसाब से विशेष स्थिति में होते हैं। उन्हें आमतौर पर निष्क्रिय पीड़ितों के रूप में देखा जाता है, लेकिन कई अंतरराष्ट्रीय संधियां यह मानती हैं कि बच्चों के पास अलग–अलग शक्ति, क्षमताएं और अधिकार हैं। नतीजतन, सीबीडीआरएम में बच्चों का समर्थन तेजी से उन रणनीतियों का उपयोग करता है जो उनकी सक्रिय भागीदारी और नेतृत्व को प्रोत्साहित करते हैं।

## डीआरएम में समुदायों को शामिल करना

आपदाएं अभाव और असमानता की व्यापकता को उजागर करती हैं। वैश्विक गरीबी से निपटने वाले विकास एजेंडा ने जोर दिया है कि सीबीडीआरएम (CBDRM) दृष्टिकोण गरीब आबादी को गरीबी से ऊपर उठाने और उस आबादी को वहां बनाये रखने पर केंद्रित है, जो आपदाओं को रोकता है (क्यूनी, 1983; लुईस, 1999; वाइजनर और अन्य 2004)। सीबीडीआरएम (CBDRM) के माध्यम से सामुदायिक सहनशीलता आपदाओं से निपटने के लिए व्यक्तियों, परिवारों और समुदायों के लिए अधिक प्रभावी तरीके को प्रोत्साहित करने में महत्वपूर्ण है। सीबीडीआरएम (CBDRM) को महिलाओं और बच्चों पर आपदाओं के प्रतिकूल नकारात्मक प्रभावों का सामना करने के लिए एक महत्वपूर्ण घटक के रूप में भी मान्यता दी गयी है (एनरसन और मॉरो, 1988; फोर्डम, 1999; और देखें जेंडर एंड डिजास्टर नेटवर्क http://www.gdnonline.org)

## खतरा, कमजोरियां और क्षमता आकलन (HVCA)

एचवीसीए (HVCA) के उद्देश्य कई प्रकार के हैं: उन समूहों की पहचान करना जो कमजोर हैं; उन कारकों की पहचान करना जो उन्हें असुरक्षित बनाते हैं और वे कैसे प्रभावित होते हैं; उनकी जरूरतों और क्षमताओं का आकलन करना और यह सुनिश्चित करना कि परियोजनाएं, कार्यक्रम और नीतियां इन जरूरतों को पूरा करती हैं। एचवीसीए (HVCA) का उपयोग एक नैदानिक उपकरण, एक नियोजन उपकरण और लागों को जुटाने और उनकी आवाज सुनने के लिए एक शक्तिकरण टूल के रूप में किया जाता है।

एचवीसीए (HVCAs) पर्यावरण, आर्थिक, सामाजिक, सांस्कृतिक, संस्थागत और राजनीतिक दबावों की एक विस्तृत श्रृंखला पर विचार करने के लिए डिज़ाइन किए गए हैं, जो कमजोरियां उत्पन्न करने के मुख्य कारक हैं। व्यवहारत:, अधिकांश एचवीसीए (HVCA) समुदाय आधारित मूल्यांकन हैं,

**एचवीसीए (HVCA) के उद्देश्य**

- *उन समूहों की पहचान करना जो कमजोर हैं*
- *उन कारकों की पहचान करना जो उन्हें कमजोर बनाते हैं*
- *यह समझने के लिए कि कमजोर समूह कैसे प्रभावित होते हैं*
- *कमजोर समूहों की जरूरतों और क्षमताओं का आकलन करने के लिए*
- *यह सुनिश्चित करने के लिए कि परियोजनाएं, कार्यक्रम, नीतियां उनकी जरूरतों को पूरा करती हैं*

**एचवीसीए (HVCA) है एक**

- *नैदानिक उपकरण*
- *योजना उपकरण*
- *संवेदनशील समूहों को सशक्त बनाने, जुटाने और सुनने के लिए उपकरण*

*"एचवीसीए तकनीक के व्यावहारिक और क्रियाशील अनुभव में बच्चों की संलग्नता उनके ज्ञान और कौशल का निर्माण करते हैं..."*

उनका दायरा व्यापक है। इसके अलावा, ज्यादातर मामलों में, पारंपरिक एचवीसीएएस(HVCAs) खतरों का आकलन करने और परिवर्तन करने के लिए एचवीसीए (HVCA) का उपयोग करने के बजाय सिफारिशें करने पर ध्यान केंद्रित करते हैं। अपेक्षाकृत कम एचवीसीए (HVCA) हैं जो बच्चों की कमजोरियों और क्षमताओं पर ध्यान केंद्रित करते हैं, और ये अक्सर विशेष रूप से बाल सहायता और भलाई के आसपास के मुद्दों के बारे में अच्छी तरह से सूचित नहीं होते हैं। बच्चों के अधिकारों, शक्ति और क्षमताओं पर एक स्पष्ट समझ और नीति का उपयोग एचवीसीएस(HVCAs) में बच्चों की कमजोरियों और क्षमताओं को प्रभावी ढंग से संबोधित करने के लिए आधार रूप में किया जाना चाहिए।

निम्नलिखित खंड प्रभावी सीबीडीआरएम (CBDRM) और एचवीसीए (HVCA) से संबंधित दो प्रमुख मद्दों पर विचार करेंगे : (i) बच्चों और युवाओं को संलग्न करना और (ii) उपकरण और ढांचे को विशेष संदर्भों में ढालना।

## बच्चों और युवाओं को संलग्न करना

सीबीडीआरएम(CBDRM)और एचवीसीए (HVCA) के अंदर बाल केन्द्रित जोखिम न्यूनीकरण (सीसीआरआर) ने महत्वपूर्ण स्थान प्राप्त किया है। इसमें न केवल आपदाओं से निपटने में बच्चों और युवाओं को शामिल किया गया है – बल्कि इसमें जलवायु परिवर्तन के लिए अनुकूलता भी शामिल है– यह पूरे समुदाय की सहनशीलता भी बढ़ाता है। युवा लोगों को अपने स्वयं के जीवन में परिवर्तन करने में सक्षम बनाना तब और अधिक महत्वपूर्ण हो जाता है जब उन बिंदुओं को मिलाया जाता है जो बाल गरीबी को कम करने में सहायता करते हैं और गरीबी की एक महत्वपूर्ण कारक के रूप में पहचान करते हैं। व्यावहारिक व क्रियाशील तकनीक में प्रशिक्षण और भागीदारी बच्चों के ज्ञान और कौशल का निर्माण करती है, जिससे उन्हें अपने समुदायों में खतरों,जोखिमों, कमजोरियों और क्षमताओं का आकलन करने में मदद मिलती है (योजना इंटरनेशनल 2010)। एचवीसीए (HVCA) में भाग लेकर बच्चों और युवाओं को कार्रवाई और इसके प्रसार की पहलों में शामिल होना चाहिए।

हालांकि, बड़ी आपदाओं (आइआइइडी और प्लान 2013) के प्रभावों पर कुछ अधिक ही ध्यान केंद्रित है जिसका नतीज़ा यह होता है कि बच्चों और उनके परिवारों पर छोटे और बार –बार होने वाले खतरों की अनदेखी हो जाती है (यूनिसेफ, 2012)। कई एचवीसीए (HVCA) पर्यावरण या तकनीकी जोखिमों (जैसे बाढ़ या आग) से होने वाले जोखिमों पर अधिक ध्यान केंद्रित करते हैं और बच्चों के लिए अन्य महत्वपूर्ण और व्यापक सामाजिक खतरों (घरेलू हिंसा, धमकी और श्रम शोषण सहित) पर कम ध्यान केंद्रित करते हैं।

## उपकरण और रूपरेखा को अपनाना

बच्चों के सर्वोत्तम हित में काम करने के लिए किसी भी टूल या रूपरेखा की, बच्चों की स्थिति के परिप्रेक्ष्य में जांच की जानी चाहिए और यह देखना चाहिए कि यह उनके अधिकारों (अस्तित्व, सुरक्षा, विकास और भागीदारी के अधिकारों सहित) पर कैसे प्रभाव डालता है। बच्चों और युवाओं पर ध्यान केंद्रित करने वाले एचवीसीए (HVCA) के कुछ औपचारिक दिशानिर्देश हैं, जहां (दिशानिर्देश)नहीं हैं वहां उनकी गुणवत्ता और संवेदनशीलता में अंतर होता है। है। बाल केंद्रित डीआरआर (प्लान इंटरनेशनल 2010) का टूलकिट और बच्चों के नेतृत्व वाले सेव द चिल्डेन के दिशानिर्देश (सेव द चिल्ड्रेन 2007) एचवीसीए (HVCA) प्रशिक्षण और उसे लागू करने के लिए मार्गदर्शन का विशद विवरण उपलब्ध कराते हैं। बाल–उन्मुख भागीदारी जोखिम आकलन और नियोजन उपकरणए (COPRAP) बच्चे पर केंद्रित उपकरण (बालय पुनर्वास केंद, 2006; ल्यूनेटा, 2007) का एक उदाहरण है जिसका वर्तमान में उपयोग किया जा रहा है।

रूपरेखा और टूलकिट को फिर से जांचने की आवश्यकता है, लेकिन यह जरूरी नहीं है कि यह अच्छे परिणाम सुनिश्चित करें। उदाहरण के लिए, एचवीसीए (HVCA) मार्गदर्शन आमतौर पर दिव्यांगता की पहचान कमजोरी के कारक के रूप में करता है, लेकिन यह इस बात को महत्व नहीं देता है कि दिव्यांगता को वास्तविक जीवन की स्थितियों में माना जाए। हाल के

शोध से पता चलता है कि दिव्यांग लोगों के आकलन में अनदेखी जारी है और एक मौलिक चुनौती, संस्थानों और संगठनों के भीतर इस दृष्टिकोण और धारणा को बदलना है। संस्थागत और व्यक्तिगत दृष्टिकोण, कौशल और क्षमता को प्रभावित करते हैं जिससे दिए गए उपकरण या दृष्टिकोण का उपयोग कैसे किया जाए है और उसके बाद के निष्कर्षों पर कैसे कार्य किया जाए, इसकी जानकारी मिलती है।

## मामला अध्ययन: किर्गिस्तान: स्कूल आपदा टीमों के ज़रिये लोगों को एक साथ लाना

यह मामला अध्ययन दिखाता है कि आपदा न्यूनीकरण और तैयारियों को बढ़ाने के लिए सीबीडीआरएम (CBDRM) दृष्टिकोण ने क्षेत्रीय किर्गिस्तान में बहुत से हितधारकों के साथ काम किया।

**महत्वपूर्ण परियोजना जानकारी**

| | |
|---|---|
| **साझेदारी** | **क्रिश्चियन एड और किर्गिज एनजीओ शूला** |
| **फंडिंग** | आपदा की तैयारी, यूरोपीय आयोग मानवीय सहायता कार्यालय (DIPECHO) |
| **क्षेत्र** | पांच गांव और स्थानीय सरकार के प्रतिनिधि |
| **स्थान** | किर्गिज गणराज्य का पूर्वी भाग |
| **अवधि** | एक वर्ष (जनवरी–दिसंबर 2006) |
| **हितधारक** | प्राथमिक: सामुदायिक और स्कूल आपदा टीम (100 वयस्क+125 बच्चे); क्षेत्रीय, जिला और स्थानीय सरकार के कर्मचारी; पांच लक्षित गांवों में 11,301 समुदाय के सदस्य<br><br>द्वितीयक: इस्सियक– क्षेत्र के कुल 100,000 निवासी |
| **लक्ष्य और उद्देश्य** | 1. ग्रामीणों के बीच आपदा शमन और आपदा तैयारियों को बढ़ाना<br><br>2. *एशर* विधि (निःशुल्क सामुदायिक श्रम) का उपयोग कर मरम्मत और निर्माण कार्य में शूला को सहयोग करना |
| **लक्ष्य और उद्देश्य** | 1. ग्रामीणों के बीच आपदा शमन और आपदा तैयारियों को बढ़ाना<br><br>2. *एशर* विधि (निःशुल्क सामुदायिक श्रम) का उपयोग कर मरम्मत और निर्माण कार्य में शूला को सहयोग करना |
| **परिणाम** | 1. गांवों के आपदा जोखिम मानचित्र तैयार करना, निकास मार्ग और आकस्मिक योजनाएं नियत करना<br><br>2. पर्यावरणीय शमन कार्य (नदी के किनारों को मजबूत करना, जलाशयों का पुनर्निर्माण, तटबंध बनाना आदि)<br><br>3. आपदा की चुनौतियों में बच्चों को सक्रिय रूप से संलग्न करना<br><br>4. पांच गांवों में 11,000 से अधिक समुदाय के सदस्यों ने पर्यावरणीय शमन के संरचनात्मक प्रयासों से लाभ उठाया, और प्राकृतिक खतरों के लिए शुरुआती चेतावनी प्रणालियों के बारे में वे अधिक जागरूक हुए।<br><br>5. इस्सियक–कुल क्षेत्र के लगभग 100,000 निवासी जिन्हें स्थानीय टीवी चैनल द्वारा प्रसारित वीडियो और अन्य सामग्री के माध्यम से खतरों और आपदा जोखिमों के बारे में सूचित किया गया था। |

| चुनौतियों की पहचान की गयी | | अच्छे कार्य अभ्यास लागू किये गये |
|---|---|---|
| **प्रभावी ऊपर से नीचे की संस्कृति**<br><br>**उस समय मध्य एशिया में प्रचलित, सरकार के नेतृत्व वाली योजना स्वीकृत मानदंड थी,सामुदायिक भागीदारी अपेक्षाकृत नई अवधारणा थी।** | | **स्थानीय सरकारों और समुदायों के बीच स्थापित सीधा संबंध**<br><br>एनजीओ को सुविधा प्रदान करना कि स्थानीय सरकारी अधिकारियों की भागीदारी से वे परियोजनाओं के संयुक्त कियान्वयन की प्राथमिकता तैयार करें। बच्चों को भी केवल निष्क्रिय समुदाय सदस्यों के रूप में नहीं बल्कि मूल्यवान योगदानकर्ता माना गया। |
| **नागरिक समाज संगठनों के प्रति नकारात्मक नज़रिया**<br><br>**सरकारें, निजी, गैर–सरकारी और समुदाय–आधारित संगठनों को लेकर संदेह करती थीं।** | | **आजमाये और परीक्षण किये गये परिणाम**<br><br>सामुदायिक पर्यावरणीय शमन गतिविधियों से प्राप्त वास्तविक परिणाम ने गैर सरकारी संगठनों की स्थानीय सरकार के लिए महत्ता साबित की और अधिक से अधिक सामुदायिक सहयोग को प्रोत्साहित किया।<br><br>**प्रशिक्षण प्रवाह**<br><br>सामुदायिक टीमों ने समुदाय के अन्य सदस्यों तक अनौपचारिक संचार के जरिये ज्ञान और कार्यव्यवहार पहुंचाया जिसने नागरिक समाज के नेतृत्व में डीआरएम पहल की संभावना और उनकी पहुंच का लाभ प्रदर्शित किया । |
| **सरकारी वित्तीय अंशदान की निरंतरता**<br><br>**सरकारी विभागों से निरंतर वित्तीय अंशदान सुनिश्चित करना समस्याजनक था** | | **सरकार द्वारा अन्य तरह से की गयी सहायता**<br><br>स्थानीय अधिकारियों और कर्मचारियों ने योजना, क्रियान्वयन और प्रशिक्षण तत्वों को जारी रखा, जिसने चल रही परियोजना के लिए प्रभावी निरंतर सहयोग के रूप में काम किया। |
| **भागीदारी की गति बनाये रखना**<br><br>**ऊपर से नीचे निर्णय लेने की संस्कृति में, सामुदायिक आपदा टीमों को प्रेरित रखना कठिन है।** | | **स्थनीय एनजीओ की सतत संलग्नता**<br><br>पूरी परियोजना के दौरान शूला सीधे तौर पर आपदा टीमों को प्रेरित करने और में भागीदारी का स्तर ऊंचा रखने के लिए नियमित रूप से समुदायों का दौरा करने में लगा हुआ था।<br><br>**टिकाऊपन और निरंतरता**<br><br>पांच नकली आपदा टीमों में छोटे बच्चों को शामिल किया गया था, जिसमें भागीदारी और जिम्मेदारी का आयाम बड़ा करने के लिए मूल पांच स्कूलों की आपदा टीमों ने गठित और प्रशिक्षित किया था ।<br><br>**डीआरएम ( DRM)संस्कृति का संचार**<br><br>स्कूल की आपदा टीमों ने डीआरआर में सामुदायिक पहल के महत्व के बारे में कम उम्र से ही सीखने के लिए छोटे बच्चों को सक्षम किया। |

**स्रोत : यूएनआइएसडीआर–UNISDR (2007) 'रूरल स्कूल डिजास्टर टीम्स टू बूस्ट प्रीपेयर्डनेसः मोबिलाइजिंग रूरल कम्युनिटीज फॉर, डिजास्टर प्रीपेयर्डनेस इन किर्गी रिपब्लिक्स बिल्डिंग डिजास्ब्र रेजिलिएंट कम्युनिटिज[http://www.unisdr.org/files/596_10307.pdf]**

जस परियोजना की गतिविधियां स्थानीय विशेषज्ञों और स्थानीय रूप से उपलब्ध सामग्रियों पर केंद्रित हैं। अन्य समुदायों या बड़े क्षेत्रों में इस दृष्टिकोण को दोहराना स्थानीय और राष्ट्रीय सरकारों की प्रतिबद्धता और प्रेरणा पर अधिक निर्भर करेगा। राज्य के अधिकारियों की समान प्रतिबद्धता के बिना समान परिणामों को प्राप्त करना आसान नहीं होगा।

**व्यावहारिक उपयोग**

- वयस्कों और बच्चों पर सीबीडीआरएम (CBDRM) कार्यक्रमों का असर क्रमशः कम हो सकता हैं, यदि ज्ञान और कौशल की समीक्षा और अभ्यास समुदाय के सदस्यों द्वारा बार–बार नहीं किया जाता है, खासकर ऐसे समुदायों में जो नियमित आपदाओं का सामना नहीं कर रहे हैं (सीआरएस 2009; चावला और जॉनसन, 2004)।

- आदतों को बनाए रखने के लिए, सीबीडीआरएम (CBDRM) के अभ्यास जैसे आपात ड्रिल जैसी गतिविधियों के माध्यम से लोगों के दैनिक जीवन का हिस्सा होना चाहिए। समुदाय आधारित टीमें सीबीडीआरएम (CBDRM) को जारी रख सकती हैं और नेतृत्व कर सकती हैं और सामुदायिक आयोजनों में नियमित रूप से जागरूकता बढ़ा सकती हैं (ओगावा और अन्य, 2005; रेंगहीरी और इशिवातारी, 2014)।

- समुदाय के सदस्यों और स्थानीय अधिकारियों के गठबंधन को एक साथ लाना सीबीडीआरएम (CBDRM) (ट्विग 2007; यूनिसेफ 2012) में सहयोग करता है और परियोजना की लंबी अवधि (शॉ और ओकाजाकी, 2003) को प्रोत्साहित करता है। रेडियो और इंस्टाग्राम जैसे लोकप्रिय मीडिया का उपयोग करने का समान प्रभाव पड़ता है।

एचवीसीए (HVCA) और सीबीडीआरएम (CBDRM) परियोजनाओं के लिए निम्नलिखित पर विचार किया जाना चाहिएः

- लोगों का ज्ञान और कौशल बनाए रखा जा सके इसे सुनिश्चत करने के लिए सीबीडीआरएम (CBDRM) को लोगों के दैनिक जीवन का हिस्सा बनाये जाने की आवश्यकता है।

- समुदाय के सदस्यों और स्थानीय अधिकारियों को एचवीसीए (HVCA) और सीबीडीआरएम (CBDRM) में सक्रिय रूप से लगे रहने की आवश्यकता है।

- बच्चों और युवाओं को सक्रिय रूप से आकलन (उदाहरण के लिए एचवीसीए HVCA), सीबीडीआरएम (CBDRM) कार्रवाई और सीबीडीआरएम (CBDRM) के प्रसार में भाग लेना चाहिए।

- एचवीसीए (HVCA) और सीबीडीआरएम (CBDRM) के लिए टूल्स और ढांचे को, बच्चों, युवाओं और हाशिये पर रहनेवालों समूहों की सक्रिय भागीदारी में सहयोग करने के लिए अनुकूलित किया जाना चाहिए।

बस्तियां या अल्पसंख्यक समूह जैसे समुदायों को जहां सरकारों द्वारा मान्यता नहीं मिल पायी है, वहां चुनौतियां बनी हुई हैं। डीआरएम(DRM) गतिविधियां फिर भी

ऐसे समुदायों के साथ संचालित की जा सकती हैं पर परियोजनाओं से लाभ तभी मिलता है जब उनके अधिकार और पहचान के लिए कम से कम स्थानीय प्रशासन के स्तर पर अतिरिक्त प्रयास किये जाएं (सीआरएस 2009) । जहां भागीदारी के टूल्स हमेशा सामाजिक समावेश की गारंटी नहीं देते, शोध से पता चलता है कि सबसे कमजोर समुदाय के सदस्यों को नेतृत्व या प्रमुखता के पदों पर रखने से उनकी हाशिए पर धकेल दी गयी आवाज कम से कम सुनी जा सकेगी।

## निष्कर्ष

सीसीडीआरआर (CCDRR) सहित सीबीडीआरएम (CBDRM) की सफलता की कुंजी समुदाय स्तर पर अच्छे कार्यअभ्यास के प्रति चेतना और गति बनाये रखने और राष्ट्रीय नीति स्तर पर सीबीडीआरएम (CBDRM) दृष्टिकोणों को शामिल कराने में है। स्थानीय सरकारों से मिल रही वित्तीय सहायता और सहयोग की सुरक्षा एक बड़ी चुनौती बनी हुई है। सीबीडीआरएम (CBDRM) परियोजनाओं का निर्माण स्थानीय बजटों में केवल संसाधनों की 'इच्छा सूची' बनाने से परे होना चाहिए जो अकेले ही अपनी परियोजनाओं को संचालित रखने के लिए समुदायों पर अतिरिक्त बोझ डाल सकते हैं (लूना, 2004)।

सक्रिय रूप से भाग लेने वाले बच्चों को चुनौती बच्चों से नहीं, बल्कि वयस्कों से मिलती है। बच्चों को आश्वस्त होना चाहिए कि बिना किसी प्रतिकूल प्रतिक्रिया या परिणाम के डर के उन्हें अपने विचारों और अधिकारों को व्यक्त करने का अवसर प्रदान किया जाएगा।

सफल सीबीडीआरएम (CBDRM) ) और विशेष रूप से सीसीडीआरआर (CCDRR) के लिए वैश्विक मॉडल मौजूद नहीं हैं। शोध ने दिखाया है कि किस तरह वयस्क और बच्चे की भागीदारी को विशिष्ट संदर्भों के लिए अनुकूलित किया जा सकता है, सामुदायिक गतिशीलता के अनुसार, संस्थागत संस्कृतियों, आजीविका और खतरों का सामना किया जा रहा है, जिसमें सफलता के अलग–अलग उपाय हैं (पीक, 2008)। सामुदायिक कमजोरी को संबोधित करने के लिए मौजूदा जोखिमों को आपस में जोड़ने की बड़ी समझ जरूरी है।

*"सक्रिय रूप से बच्चों की भागीदारी की चुनौतियां बच्चों से नहीं वयस्कों से आती हैं"*

## फॉलो अप प्रश्न

1.. डीआरएम (DRM) को विकास नीतियों के साथ इंटरलिंक क्यों करना चाहिए, जैसे गरीबी को लक्षित किया जाना ? जलवायु परिवर्तन अनुकूलन डीआरएम (DRM) का सबसेट क्यों है?

2.. सीबीडीआरएम (CBDRM) कार्यक्रमों में स्थानीय एनजीओ अपने को प्रमुख हितधारक बनाने में क्या भूमिका निभा सकते हैं?

3.. स्कूल–आधारित डीआरएम (DRM) प्रशिक्षण किस उद्देश्य से होना चाहिए?

4.. बच्चें को जोखिम वाले संचारकों के रूप में देखने के समुदाय के नजरिये को आपके अनुभव से संस्कृति कैसे प्रभावित कर सकती है? क्या उन्हें सूचना का विश्वसनीय स्रोत माना जाता है?

5.. आप अपने स्वयं के अभ्यास के लिए सीखे गए कुछ पाठों को कैसे लागू कर सकते हैं, विशेष रूप से सीसीडीआरआर (CCDRR) की निरंतरता सुनिश्चित करने के लिए?

# Readings

All India Disaster Mitigation Institute (2011), School-based Disaster Risk Reduction: Making Education Safer (analysis and case studies), Ahmedabad, All India Disaster Mitigation Institute, http://bit.ly/2uhMX0z.

Back, E., Cameron, C. & Tanner, T. (2009), Children and Disaster Risk Reduction: Taking stock and moving forward (analysis and case studies), New York, UNICEF, http://www.preventionweb.net/files/12085_ChildLedDRRTakingStock1.pdf.

Gill, S., Gulsvig, L. & Peek, L. (2009), Children and Disasters Annotated Resource List, *Children, Youth and Environments*, vol. 18, no. 1, pp. 485-510, http://www.jstor.org/stable/10.7721/chilyoutenvi.18.1.0485.

Shaw, R. (ed.) (2012), Community-Based Disaster Risk Reduction, *Community, Environment and Disaster Risk Management*, vol. 10, Emerald Group Publishing, Bingley.

Wisner, B. (2006), Let our children teach us! A review of the role of education and knowledge in disaster risk reduction, Geneva, UNISDR, http://www.crin.org/en/docs/ISDR_let_teach.pdf.

# Bibliography

All the references cited in this Research-into-Action Brief, can be found in the CCRR and CSS Bibliography at:

https://www.zotero.org/groups/1857446/ccrr__css

Suggested citation: Yore, R., Kelman, I., & Tofa, M. (2018). *Child-Centred Research-into-Action Brief: Community-based disaster risk management,* GADRRRES.

*© 2018 Global Alliance for Disaster Risk Reduction in the Education Sector*
*The complete series of case studies can be found at http://www.gadrrres.net/resources*